

SHRI GENABHAI DARGHABHAI PATEL

Shri Genabhai is a innovative farmer. He has developed various innovative techniques viz.: production of organic slurry, squirrel protection in pomegranate, fennel as a intercrop in pomegranate for Bee (pollinator) attraction, management of nematode (krumi) b neem cake and sowing of wheat crop at the boarder of pomegranate field to divert parrot damage.

2. Shri Genabhai Darghabhai Patel is a farmer's son handicapped with both the lags. He was born on June 01, 1964 and is educated up to higher secondary level. He is from Sarkarivillage which is an interior village of Banaskantha district which falls under drought prone area. The family members of Shri Genabhai were the sources of inspiration and motivation. Shri Genabhai was ambitious from his childhood.

3. Shri Genabhai is an early adopter of new innovations. He adopted drip irrigation system in 2005-06 in his all fields. He has also adopted plastic mulch in all his fields. He was first farmer to adopt this technology in this area. He is a contact farmer of S. D. Agricultural University. The scientists of university are his helping hands.

4. Shri Genabhai started the mission to transform drought affected land to profitable pomegranate farmer in the year 2004-05. The 'Divyang' farmer struggled to meet ends and single handedly took up pomegranate farming. After a long struggle, he received high remuneration from pomegranate farming. In the year 2010, 2011 and 2012 the net profit per hectare from pomegranate was Rs.2.70 lakhs, Rs.7.50 lakhs and Rs.15.00 lakhs respectively. He has maintained his profit from Rs.12.00 lakhs to Rs.16.00 lakhs per hectare in subsequent years from pomegranate. The message spread horizontally in the districts of Gujarat and nearby Rajasthan state. Many farmers started visiting his farm for sake of information. His helping hands provided scientific information to visiting farmers and farmers groups. Nearby 60,000 farmers visited his farm for guidance. The elected leaders and officers of various development departments visited his farm.

5. Shri Genabhai had started production of planting material of pomegranate at his farm to provide true to quality planting material to farmers. Due to his efforts 30,000 hec. area of nearby villages is under pomegranate. He provided guidance to nearly35000 farmers. It resulted in adoption of pomegranate cultivation by more than 3 crore pomegranate cutting to the farmers. He is providing free planting material to resource poor farmers. Due to his efforts, the socio-economic condition of small and marginal farmers raised. He is visiting the farmers' field free of cost to provide required information. He has formed a what's app group of farmers to provide information. He inspired other farmers to think out of box.

6. Shri Genabhai is a recipient of numerous awards and honours. He received Haldar Shiromani award, Mahindra Agri India award, Navonmeshi Krishak Sanman, Shristi Sanman award, Rastriya Svayam Siddhi award and L.M.Patel ASPEE National award at national level. He received 13 state level awards including Best Kisan award and Krishi Ratra award. The cash price received in above awards were donated to Kanya Chatralay (Girls' hostel) for education of girl students.



श्री गेनाभाई दरघाभाई पटेल

श्री गेनाभाई दरघाभाई पटेल एक अभिनवकारी किसान हैं। आपने विभिन्न अभिनवकारी तकनीकों जैसे – कार्बनिक घोल का उत्पादन, अनार के वृक्षों में गिलहरियों से सुरक्षा, मधुमक्खी (परागण-कीट) आकर्षित करने के लिए अनार के बगीचों में अन्तर फसल के रूप में सौंफ की खेती, नीम टिक्कियों द्वारा कृमि का प्रबंधन तथा तोतों से होने वाली हानि से बचने के लिए तोतों का ध्यान हटाने के लिए अनार के खेत के चारों ओर गेहूँ की फसल बोने की तकनीकों को विकसित किया है।

2. आप एक किसान के बेटे हैं और दोनों पैरों से विकलांग हैं। आपका जन्म 01 जून 1964 को हुआ था और आपने उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा ग्रहण की है। आप सरकरी गांव के रहने वाले हैं जो कि बनासकांठा जिले का एक इन्टीरियर गांव है और जो सूखा ग्रस्त इलाकों में आता है। आपके परिवार के सदस्य आपकी प्रेरणा और प्रोत्साहन के स्रोत थे। आप बचपन से ही महत्वाकांक्षी रहे हैं।

3. आप नई-नई खोजों को अपनाने के इच्छुक रहते हैं। आपने वर्ष 2005-06 में अपने सभी खेतों में ड्रिप सिंचाई की प्रणाली अपनायी थी। आपने अपने सभी खेतों में प्लास्टिक घास को भी अपनाया है। आप पहले ऐसे किसान हैं जिन्होंने इस क्षेत्र में इस प्रौद्योगिकी को अपनाया है। आप एस.डी. कृषि विश्वविद्यालय के संपर्क किसान हैं। इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक आपके मददगार हाथ हैं।

4. आपने वर्ष 2004-05 में, सूखा ग्रस्त भूमि को लाभ कमाने वाली अनार की खेती में रूपांतरित करने का मिशन शुरू किया था। आपने दो वक्त की रोटियों के लिए संघर्ष किया और अकेलेदम पर अनार की खेती शुरू की। एक लंबे संघर्ष के बाद आपको अनार की खेती से अच्छा पारिश्रमिक मिलना आरंभ हो गया। वर्ष 2010, 2011 और 2012 में अनार की खेती से प्रति हेक्टेयर क्रमश: 2.70 लाख रुपए, 7.50 लाख रुपए, 7.50 लाख रूपए और 15.00 लाख रुपए का शुद्ध लाभ हुआ। बाद के वर्षों में आपने अनार की खेती से अपना लाभ 12.00 लाख रुपए से 16.00 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर तक कायम रखा। यह संदेश गुजरात तथा राजस्थान के समीपस्थ जिलों में तेजी से फैला। कई एक किसान इस खेती की जानकारी लेने के लिए आपके पास मिलने आने लगे। आपके मददगार हाथों ने आने वाले किसानों-किसान समूहों को वैज्ञानिक जानकारियां मुहैया करायीं। लगभग 60,000 किसान आपके पास मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए मिलने आए। चुने हुए नेतागण और विभिन्न विकास –विभागों के अधिकारी आपके खेत पर मिलने आए।

5. आपने किसानों को सही गुणवत्ता की पौध सामग्री मुहैया कराने के लिए अपने खेत में अनार के पौधारोपण सामग्री का उत्पादन शुरू कर दिया। आपके प्रयासों से नजदीकी गांवों का 30,000 हेक्टेयर क्षेत्र अनार की खेती के लायक हो गया है। आपने लगभग 35000 किसानों को मार्ग दर्शन प्रदान किया है। जिसके परिणामस्वरूप किसानों को 3 करोड़ से अधिक अनार की कटिंग मुहैया कराकर अनार की खेती को बढ़ावा दिया गया है। आप गरीब किसानों को संसाधन जुटाने के लिए मुफ्त पौधारोपण सामग्री मुहैया करा रहे हैं। आपके प्रयासों से, छोटे और सीमांत किसानों की सामाजिक-आर्थिक दशा में सुधार हुआ है, आप अपेक्षित जानकारी मुहैया कराने के लिए बिना किसी खर्चे के किसानों के खेतों का दौरा करते हैं। सूचना मुहैया कराने के लिए आपने किसानों का एक वाह्टस ऐप समूह बनाया है। आपने अन्य किसानों को एक सीमित दायरे से बाहर निकलकर सोचने के लिए प्रेरित किया है।

6. आपको अनेक पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए हैं। आपको हलदर शिरोमणि पुरस्कार, महिन्द्रा एग्री इंडिया पुरस्कार, नवोन्मेष कृषि सम्मान, सृष्टि सम्मान पुरस्कार, राष्ट्रीय स्वयंसिद्धि पुरस्कार तथा राष्ट्रीय स्तर पर एल एम पटेल 'ऐस्पी', राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए। आपको सर्वोत्तम किसान पुरस्कार और कृषि रत्न पुरस्कार सहित 13 राज्य स्तर के पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उपर्युक्त पुरस्कारों से प्राप्त नकद इनामी राशि को छात्राओं की शिक्षा के लिए कन्या छात्रालय (गर्ल्स हॉस्टल) को दान कर दी गई।